भारतीय संगीत शास्त्र
बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा सत्र 2007–2008 से प्रभावी
कंठ संगीत

प्रथम प्रश्नपत्र– संगीत विज्ञान **पूर्णांक : 35**

1. आधुनिक भारतीय संगीत का सविस्तार अध्ययन एवं इस काल के संगीत उद्धारकों की देन।
2. संगीत गायन के प्रमुख घरानों का सामान्य अध्ययन।
3. पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धति का सामान्य ज्ञान।
4. पाश्चात्य संगीत सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान।
5. पाश्चात्य संगीत में टाइम सिगनेचर Time Signature (Scale), स्वर सप्तक और (Chord) कोर्ड का अध्ययन।
6. भारतीय संगीत में सांगीतिक और असांगीतिक ध्वनियाँ एंव प्रतिध्वनि का अध्ययन।
7. संगीत सम्बन्धी विषयों पर संक्षिप्त निबन्ध लिखने का अभ्यास।
8. प्रबन्ध शैली का विस्तृत परिचय।

द्वितीय प्रश्न पत्र – रागों और तालों का अध्ययन **अंक : 35**

1. अधोलिखित विषयों का ज्ञान– नायक, गायक, गन्धर्व, पंडित, संगीत शास्त्रकार, संगीत शिक्षक, कव्वाल, वाग्गेयकार–खमसा और लावनी।
2. अधोलिखित रागों का आरोह, अवरोह, पकड़ एवं मुख्य स्वर समुदायों तथा समस्त विशेषताओं सहित विस्तृत अध्ययन– विभास, बसंत, परज, ललित, मुलतानी, देसी, पूरिया, अडाना और शुद्ध सारंग।
3. अलाप के माध्यम से राग पहचानने तथा रागों में अन्तर स्पष्ट करने की क्षमता।
4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में आलाप, तान एवं बोलतान सहित ख्यालों को स्वरलिपि में लिखने की योग्यता।
5. ध्रुपद तथा धमार को दुगुन, तिगुन एवं चौगुन सहित स्वरलिपि में लिखना।
6. अधोलिखित तालों को ठेके सहित दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में लिखना–आड़ाचौताल, दीपचंदी, पंजाबी और झूमरा।
7. अधोलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं उनकी देन– शारंगदेव, आचार्य कैलाश चन्द्रदेव – वृहस्पति, उस्ताद अब्दुलकरीम खाँ, उस्ताद फैयाज खाँ और उस्ताद अमीर खाँ।

क्रियात्मक परीक्षा

प्रथम प्रश्न पत्र 50 अंक **कुल अंक : 80**

1. अधोलिखित रागों में पूर्ण गायकी सहित एक द्रुत ख्याल– विभास बसंत, परज, ललित, मुलतानी देसी, पूरिया, अडाना और शुद्धसारंग।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित किन्ही रागों में एक विलम्बित ख्याल पूर्ण गायकी सहित।
3. निर्धारित रागों में से किसी एक राग में एक ध्रुपद लयकारी सहित गाने की क्षमता।
4. वर्णित रागों में से किसी एक राग में एक धमार लयकारी सहित गाने की योग्यता।
5. निर्धारित रागों में से किसी एक राग में एक तराना अथवा भजन आना आवश्यक।
6. अधोलिखित तालों का ज्ञान तथा हाथ से ताल देकर बराबर दुगुन, तिगुन और चौगुन की लयकारियों में बोलने की क्षमता आड़ाचौताल, दीपचंदी, पंजाबी और झूमरा।

द्वितीय प्रश्न पत्र **30 अंक**
मौखिक परीक्षा

बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, सत्र 2007–2008 से प्रभावी
वाद्य संगीत

वर्ग – अ तंत्र एवं सुषिर वाद्य (वीणा, सरोद, सितार, इसराज, गिटार, वायलिन और बांसूरी)
प्रथम प्रश्न पत्र– संगीत विज्ञान **पूर्णांक : 35**

1. परीक्षार्थी को तंत्र वाद्य के प्रमुख घरानों का ज्ञान।
2. आधुनिक भारतीय संगीत का सविस्तार अध्ययन एवं इस काल के संगीत उदारकों की देन।
3. पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धति का सामान्य ज्ञान एवं उत्तर भारतीय स्वरलिपि पद्धति से उसकी तुलना।
4. पाश्चात्य संगीत सम्बन्धी परिभाषिक शब्दों का ज्ञान–टाइम सिगनेचर स्वर सप्तक और कोर्ड (Chord)
5. भारतीय संगीत में सागीतिक और असांगीतिक ध्वनियां एवं प्रतिध्वनि का अध्ययन।
6. संगीत सम्बन्धी विषयों पर संक्षिप्त निबन्ध लिखना।

द्वितीय प्रश्न पत्र – रागों और तालों का अध्ययन **पूर्णांक : 35**

1. अधोलिखित रागों के आरोह, अवरोह, पकड़, मुख्य स्वर समुदाय एवं सम्पूर्ण विशेषताओं सहित विस्तृत तथा तुलनात्मक अध्ययन– ललित, परज पूरिया, शुद्धसारंग, अडाना, पटदीप, मधुमाद–सारंग, मारू विहाग और देसी।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में आलाप के माध्यम से राग पहचानने तथा रागों में अन्तर स्पष्ट करना।
3. वर्णित रागों की गतों को तोड़ों तथा झाला सहित स्वरलिपि में लिखना।
4. वाद्य वर्गीकरण और अपने वाद्य का पूर्ण ज्ञान।
5. अधोलिखित तालों के ठेके तथा उनकी विभिन्न लयकारियों को लिखना– रूपक, तिलवाड़ा, पंचमसवारी और सूलताल।
6. तंत्र वाद्यों का भारत में क्रमिक विकास।
7. निम्नलिखित संगीतज्ञों की जीवनी एवं उनकी देन– पंडित रविशंकर, उस्ताद, विलायत खाँ, हाफिज अली खाँ और निखिल बनर्जी।

क्रियात्मक परीक्षा

प्रथम प्रश्नपत्र **50 अंक**
कुल अंक **80**

1. अधोलिखित रागों में रजाखानी गत, तोड़े तथा झाला सहित– ललित, पूरज पूरिया, शुद्धसारंग, अडाना, पटदीप, मधुमाधसारंग, मारूबिहाग और देसी।
2. उपर्युक्त वर्णित रागों में से किन्हीं पांच रागों में मसीतखानी गत तथा तोड़े।
3. पाठ्यक्रम के वर्णित रागों में से किन्हीं रागों में आलाप एवं जोड़ आलाप बजाना।
4. वर्णित किन्हीं दो रागों में एक लाइट धुन बजाना।
5. निम्नलिखित तालों का ठाठ, दुगुन, तिगुन, और चौगुन में ताली देकर बजाना।

द्वितीय प्रश्नपत्र **30 अंक**
मौखिक परीक्षा

बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा सत्र 2007–2008 से प्रभावी
वाद्य संगीत
वर्ग– ब अवनद्ध वाद्य (तबला और पखावज)

प्रथम प्रश्नपत्र– संगीत विज्ञान **पूर्णांक 35**

1. आधुनिक भारतीय संगीत का विस्तार एवं इस काल के संगीत उद्धारकों की देन।
2. ताल सम्बन्धी भारतीय एवं पाश्चात्य संगीत में, प्रयुक्त शब्दावलियों आलोचनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन।
3. तालों का वर्गीकरण (देशी ताल/मार्गी ताल) का सिद्धान्त।
4. ताल और छन्द उनका सम्बन्ध और तालोपयोगी विभिन्न छन्दों का ज्ञान।
5. संगीत रत्नाकर में वर्णित तालों का रूप एवं वर्तमान में परिवर्तनों का अध्ययन।
6. संगीत सम्बन्धी सामान्य विषयों पर निबन्ध लिखने का अभ्यास।

द्वितीय प्रश्न पत्र – तालों का अध्ययन **अंक 35**

1. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम में दी गयी तालों को विभिन्न लयकारियों में लिखना।
2. किसी भी एक ताल को दूसरी ताल में सम से सम तक लयकारी परिवर्तन के आधार पर लिखना।
3. विभिन्न तालों में तिहाई बनाने की क्षमता।
4. संगीत में समान मात्राओं के तालों की आवश्यकता की पुष्टि एवं उनकी तुलना।
5. विभिन्न बोलों को तालों (पाठ्यक्रम में निर्धारित) में लिपिबद्ध करना।
6. अधोलिखित संगीतज्ञों की जीवनी एवं उनकी देन– साम्ता प्रसाद, किशन महाराज, बिरजू महाराज और नाना साहब पानसे।

क्रियात्मक परीक्षा

प्रथम प्रश्न पत्र – 50 अंक **कुल अंक 80**

1. एक ताल, झपताल, और आड़ाचौताल को सविस्तार बजाना जिसमें पेशकार तीन कायदें, पल्टो सहित गत, पांच टुकड़े, एक रेला और दो परन।
2. पंचमसवारी और रूपक ताल में एक पंशकारा, एक कायदा, एक रेला, दो टुकड़े, एक गत और एक परन।
3. कहरवा और दादरा ताल में लग्गी और लड़ी बजाना।
4. पाठ्यक्रम में वर्णित बोलों को ताली देकर बोलने का अभ्यास।
5. सूलताल, धमार ताल और गजझम्मा ताल में दो टुकड़े, दो परन और दो तिहाइयां।
6. संगत करने की योग्यता एवं तबला मिलाने का ज्ञान

द्वितीय प्रश्न पत्र

30

मौखिक परीक्षा